प्रैक्टिकल वर्क | सुई-धागे से कपड़े पर उतरती पारंपरिक कढ़ाई

कांथा, कश्मीरी और मिरर वर्क से तैयार आधुनिक परिधान

नवभारत , जबलपुर । सुई-धागे से कपड़े पर उतरती पारंपरिक कढ़ाई और उसी कढ़ाई से तैयार होता मॉडर्न फैशन। कहीं कांथा के बारीक टांकों से डिजाइन उभरा तो कहीं मिरर वर्क ने परिधान में चमक जोड़ी। शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के फैशन टेक्नोलॉजी विभाग में तृतीय सेमेस्टर की छात्राओं ने भारतीय कढ़ाई की अलग-अलग शैलियों को लूज पैंट और क्रॉप टॉप पर उतारकर अपनी रचनात्मकता दिखाई। यह प्रैक्टिकल वर्क भारतीय टेक्स्टाइल और एंब्रॉयडरी विषय के तहत किया गया।



पारंपरिक कढ़ाई का मॉडर्न अंदाज

प्रैक्टिकल में छात्राओं ने कांथा, कसूती, कश्मीरी, सिंधी कढ़ाई और मिरर वर्क को आधुनिक परिधानों का हिस्सा बनाया। कांथा में रनिंग स्टिच से आकृतियां उभारी गईं, जबकि कसूती की ज्यामितीय डिजाइन को परिधान पर इस्तेमाल किया गया। कश्मीरी कढ़ाई में बेल-बूटियों, फूल और पत्तियों के डिजाइन नजर आए। मिरर वर्क ने आउटफिट को सजावटी लुक दिया।

एक परिधान में कई तरह के टांके

छात्राओं ने बेसिक एम्ब्रॉयडरी में उल्टी बखिया, चेन स्टिच, फ्रेंच नॉट, सैटिन स्टिच, ब्लैंकेट स्टिच, फिशबोन और हेरिंगबोन स्टिच का इस्तेमाल किया। इन टांकों से फूल-पत्तियों, बॉर्डर और विभिन्न सजावटी आकृतियों को उभारा गया। जरूरत के अनुसार फैंसी एम्ब्रॉयडरी तकनीकों को भी डिजाइन में शामिल किया गया।

ट्रेसिंग से कटिंग-सिलाई तक खुद किया काम

परिधान तैयार करने की शुरुआत कपड़े पर डिजाइन की ट्रेसिंग से हुई। इसके बाद चयनित कढ़ाई तकनीकों से डिजाइन को पूरा किया गया। कढ़ाई के बाद छात्राओं ने कपड़े की कटिंग और सिलाई कर इसे लूज पैंट व क्रॉप टॉप का रूप दिया। पूरी प्रक्रिया में उन्हें डिजाइन चयन, रंग संयोजन, टांकों के प्रयोग, फिनिशिंग और गारमेंट कंस्ट्रक्शन का प्रायोगिक अनुभव मिला।

कढ़ाई से कौशल तक

विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम अग्रवाल ने कहा कि पारंपरिक कढ़ाई को आधुनिक परिधानों से जोड़ने से छात्राओं की रचनात्मकता और तकनीकी दक्षता निखरती है। प्राचार्य डॉ. राजीव जैन ने कहा कि ऐसे प्रायोगिक कार्य विद्यार्थियों में कौशल, नवाचार, आत्मविश्वास और उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देते हैं। गतिविधि में वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती सविता तिवारी, श्रीमती मीना गुप्ता, श्रीमती हरवंश त्रिपाठी, श्रीमती शशी विश्वकर्मा, श्रीमती रविकांता जैन, श्रीमती रेशमा साहू, मेघना शर्मा, स्नेह जाट और के.एल. राठौर का सहयोग रहा।

इनका कहना है



मैने कश्मीरी कढ़ाई को आधार बनाकर अपना लुक तैयार किया। कढ़ाई के बारीक काम और पारंपरिक डिजाइन को आधुनिक परिधान में शामिल करने पर फोकस रहा। इससे कश्मीरी कढ़ाई की बारीकियों को करीब से समझने का मौका मिला।

आशिया मंसूरी



मैने सिंधी कढ़ाई के साथ कश्मीरी हेयरनवर्म तकनीक को अपने डिजाइन में शामिल किया। पारंपरिक कढ़ाई के अलग-अलग पैटर्न को एक साथ इस्तेमाल करना का नया अनुभव रहा। डिजाइन को आधुनिक लुक देने की कोशिश की।

प्राची अग्निहोत्री



मैने जींस और टॉप पर एम्ब्रॉयडरी का प्रयोग किया।मेरा उद्देश्य पारंपरिक कढ़ाई को रोजमर्रा के मॉडर्न आउटफिट के साथ जोड़ना रहा। इस काम में डिजाइन और फिनिशिंग पर खास ध्यान दिया।

नीलम विश्वकर्मा



मैने डॉल्फिन प्रिंट पर आधारित कॉर्ड सेट तैयार किया। डिजाइन में प्रिंट और परिधान की फिटिंग को संतुलित रखते हुए मॉडर्न लुक देने की कोशिश की। प्रैक्टिकल के दौरान मुझे गारमेंट तैयार करने की पूरी प्रक्रिया समझने का मौका मिला।

श्रुति द्विवेदी



रायन मिनिथान में 81 स्कूलों के छात्रों ने दिया स्वस्थ रहने का संदेश

सेंट ज़ेवियर एवं रायन इंटरनेशनल स्कूल के आयोजन में छात्रों में दिखा उत्साह

नवभारत, जबलपुर। शरीर में स्फूर्ति और ताजगी बनाये रखने के लिए हमारा मानसिक रूप से स्वस्थ और ताजगीपूर्ण होना आवश्यक है, कहा जाता है की स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का निवास होता है और तन की स्वस्थता संपूर्ण जीवन को नयी दिशा एवं ताजगी देती है। इसलिए छात्रों को विद्यार्थी जीवन काल में दौड़ने-भागने, खेलने-कूदने और व्यायाम करते रहने की सीख दी जाती है। ऐसे ही उद्देश्य की पूर्ति हेतु रायन ग्रुप मिनिथान का आयोजन रायन इंटरनेशनल स्कूल के तत्वाधान में सदर स्थित शिवाजी ग्राउंड में किया गया।

मिनिथान में रायन ग्रुप के सेंट जविएर स्कूल शांतिनगर, गुप्तेश्वर व रायन इंटरनेशनल स्कूल शांतिनगर सहित शहर की लगभग 81 शालाओं के लगभग 1759 बच्चों ने भाग लिया। छात्रों के उत्साहवर्धन व प्रोत्साहन के लिए महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, डॉ. प्रसन्नजीत चटर्जी, मुख्य एथलेटिक्स कोच, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, लकी रजक, राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी, पुष्पेंद्र पटेल थाना प्रभारी, डॉ. विजयकांत तिवारी, जिला मुख्य चिकित्सा आयुक्त परमवीर सिंह सलूजा, चार्टर्ड अकाउंटेंट आदि उपस्थित रहे।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर आकाश इंस्टीट्यूट के मार्केटिंग हेड धीरज केसरी, निखिल गर्ग, राहुल शर्मा, अमन तिवारी, ऋषि राज, अभ्युदय शर्मा, कुलदीप जायसवाल, राहुल राजपूत, अश्वरी शर्मा तथा सुनील चौरसिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। मिनिथान का उद्देश्य छात्रों में स्वास्थ्य, जागरूकता, खेलभावना, टीम वर्क एवं अनुशासन की भावना को विकसित करना रहा। दौड़ के साथ बच्चों ने फिटनेस एवं स्वस्थ जीवन शैली का सन्देश भी समाज को दिया। संपूर्ण कार्यक्रम शाला चेयरमैन डॉ. ए.एफ. पिंटो एवं मैनेजिंग डायरेक्टर मैडम ग्रेस पिंटो के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में दिया गया साहस और दृढ़ता का संदेश

कार्यक्रम में छात्रों को हर मुश्किल पार कर अपनी मंजिल तक पहुँचने के लिए साहस और दृढता दी। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रभु यीशु की प्रार्थना एवं भक्ति गीतों के साथ हुआ तत्पश्चात मुख्यातिथि ने शांति और उत्साह का प्रतीक शुभंकर उड़ाकर एवं हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस प्रतियोगिता में बालक मंदिर शाला रामपुर, शाश्कीय हाई स्कूल रामपुर और बिल्ला बोंग इंटरनेशनल स्कूल ने उत्कृस्त प्रदर्शन से जीत का परचम लहराया। इस आयोजन को विभिन्न सहयोगी संस्थानों एवं प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों का भी विशेष सहयोग एवं प्रोत्साहन प्राप्त हुआ।

एक नजर में

आध्यात्मिक साधक के लिए लक्ष्य निर्धारण आवश्यक

नवभारत,जबलपुर। चिन्मय विद्या पीठ एवं श्रीराम मंदिर मदन महल द्वारा संचालित हो रहे वेदांत अध्ययन कार्यक्रम की श्रृंखला में गोस्वामी तुलसीदास जी कृत रामचरितमानस अंतर्गत बालकाण्ड के प्रथम चरण का अध्ययन करवाया जा रहा है। आध्यात्मिक पथ के जिज्ञासु को सर्वप्रथम अपने लक्ष्य की स्पष्टता होना अनिवार्य है 7 ग्रंथों का अध्ययन गुरु परम्परा के अनुसार गुरु सान्निध्य में होना चाहिए इससे ग्रन्थ का सही अर्थ स्पष्ट होता है एवं ठीक मार्गदर्शन प्राप्त होता है। सामान्यत: एक साधक के जीवन में तीन लक्ष्य हुआ करते है शोर्ट टर्म लक्ष्य, लॉन्ग टर्म लक्ष्य एवं अल्टीमेट लक्ष्य, जिसमे साधक अपने आवश्यक सांसारिक लक्ष्यों की पूर्ति करता हुआ अंतिम लक्ष्य की और अग्रसर होता है। सांसारिक उन्नति को अभ्युदय कहा गया है, एवं अध्यात्मिक उन्नति को नि:श्रेयश कहा गया है। एक साधक संसार में रहता हुआ ही अपने समस्त कर्तव्यों को करता हुआ सांसारिक उन्नति को प्राप्त करता हुआ नि:श्रेयश को प्राप्त कर सकता है।

वेदांत पाठ्यक्रम अंतर्गत बालकाण्ड की कक्षाएं प्रत्येक शनिवार एवं रविवार शाम 4.00 बजे से 6.00 बजे तक श्री राम मंदिर मदन महल में आयोजित की जा रही है। बालकाण्ड के पश्चात जल्द ही कक्षा में श्रीआदिशंकराचार्य जी द्वारा रचित ग्रन्थ 'भज गोविदम्' का अध्ययन प्रारंभ किया जायेगा 7 कक्षा संचालक अतुल तिवारी, दीपक बिरमानी एवं सचिन डोंगरे ने समस्त जिग्यासुजनों से आग्रह किया है कि वेदांत की कक्षा में अवश्य उपस्थित हों।

भाजपा पदयात्रा पर कांग्रेस नेताओं ने साधा निशाना

कहा-आखिर भाजपा ने मान लिया कि उनके शासन में खतरे में है लोकतंत्र

नवभारत, जबलपुर। एक ओर भाजपा ने लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा निकाली तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस नेताओं ने इस पदयात्रा को आड़ेहाथों लेते हुए कहा कि आखिरकार भाजपा ने यह मान लिया है कि उनके शासन में लोकतंत्र खतरे में हैं।

कांग्रेस नेता पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेश सोनकर पूर्व पार्षद महासचिव मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी तेज कुमार भगत संजय बघेल ने आरोप लगाते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में आयोजित लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में इस बात को आखिरकार मान लिया कि वाकई में इस देश का लोकतंत्र और संविधान भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में खतरे में है।

जिसे बचाने के लिए भारतीय जनता पार्टी को उनकी सरकार के मुखिया को सड़कों पर पदयात्रा करना पड़ रहा है। इस बात को एवं मांग को लेकर पिछले कई सालों से लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार हर मंचों पर रैलियां पर सड़कों पर उठाते आ रहे हैं कि देश का लोकतंत्र खतरे में हैं। लेकिन भारतीय जनता पार्टी और उसका शीर्ष नेतृत्व हमेशा राहुल गांधी की इस मांग को अनसुना करता था परंतु राहुल गांधी की दिल्ली रामलीला मैदान की भीड़ से प्रेरित होकर पूरे भारतीय जनता पार्टी ने इस बात का सबक लिया कि वाकई इस देश के अंदर लोकतंत्र खतरे में है। इसलिए आनन फानन में अपनी साख बचाने के लिए लोकतंत्र बचाओ पदयात्राएं भाजपा नेताओं के द्वारा निकाली गई।

सभी प्रखंडों में श्रद्धा के साथ मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

नवभारत,जबलपुर। महर्षि वाल्मीकि जयंती के पावन अवसर पर रानी दुर्गावती जिले के सभी प्रखंडों में आदिकवि एवं रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और आदर के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में महर्षि वाल्मीकि जी के चित्र/प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनका नमन किया गया।



इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी का जीवन, उनके आदर्श और उनके द्वारा रचित महाकाव्य 'रामायण' संपूर्ण भारतीय संस्कृति एवं मानवता की अमूल्य धरोहर है। प्रभु श्री राम के जीवन को जन-जन तक पहुंचने वाले महर्षि वाल्मीकि ने हमें सत्य, न्याय, धर्म और सामाजिक समरसता का मार्ग दिखाया है।

इस अवसर पर रानी दुर्गावती जिले के पदाधिकारी, प्रखंड एवं खंड के पदाधिकारी, संत समाज, मातृशक्ति एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने महर्षि वाल्मीकि जी के आदर्शों को अपनाने और सामाजिक समरसता बनाए रखने का संकल्प लिया। इस मौके पर जिला सामाजिक समरसता प्रमुख आलोक पटेल , जिला सह सामाजिक समरसता प्रमुख गौरव मुद्गल एवं समस्त सामाजिक समरसता टोली प्रमुख सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। उक्त जानकारी कुमार राठौड़,जिला प्रचार प्रसार प्रमुख ,रानी दुर्गावती जिला विश्व हिन्दू परिषद जबलपुर ने दी है।

विद्यार्थियों को मिलेगी इंटर्नशिप और प्लेसमेंट की सुविधा

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस एवं शासकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज के मध्य एमओयू

नवभारत, जबलपुर। उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में आपसी समन्वय, शैक्षणिक गुणवत्ता तथा विद्यार्थियों के कौशल विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल महाविद्यालय, जबलपुर एवं शासकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज, जबलपुर के मध्य समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ।



इस एमओयू के अंतर्गत दोनों संस्थानों द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इनमें विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप, प्लेसमेंट सहायता, व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा संकाय विकास कार्यक्रम प्रमुख रूप से शामिल हैं। इस पहल से दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी दक्षता एवं रोजगारपरक कौशल विकसित करने के अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही शिक्षकों के शैक्षणिक एवं व्यावसायिक कौशल में वृद्धि के लिए भी संयुक्त रूप से प्रयास किए जाएंगे।

एमओयू संपन्न होने के अवसर पर अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, जबलपुर संभाग, जबलपुर, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अलकेश चतुर्वेदी, संभागीय सलाहकार प्रो. अरुण शुक्ल, डॉ. महेन्द्र कुशवाहा, डॉ. धीरेन्द्र त्रिपाठी, प्राचार्य डॉ. राजीव जैन, रश्मि चैरसिया प्रभारी टीपीओ, डॉ. मोना जयसवाल उपस्थित रहे। यह समझौता दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक सहयोग, कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा को नई दिशा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

टीकाकरण जागरूकता के लिए आईएमए ने कराई स्लोगन प्रतियोगिता

जबलपुर। टीकाकरण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) जबलपुर शाखा ने विश्व टीकाकरण दिवस पर स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की। प्रतियोगिता में कुल 26 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। इनमें वरिष्ठ चिकित्सक प्रो. डॉ. केके कौल की प्रविष्टि के साथ अमेरिका से डॉ. योगेंद्र श्रीवास्तव द्वारा भेजा गया स्लोगन भी शामिल रहा। निर्णायक मंडल में डॉ. संध्या जैन और डॉ. शरद जैन शामिल थे। पुरस्कार वितरण समारोह 1 नवंबर को आईएमए हाउस में हुआ।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर रेलवे ने ली शपथ, सफाई मित्रों का सम्मान

नवभारत,जबलपुर। राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश देने के लिए भारतीय रेल ने 30 अक्टूबर को नई दिल्ली स्थित रेल भवन में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ सतीश कुमार ने अधिकारियों और कर्मचारियों को एकता की शपथ दिलाई। सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में रेलवे बोर्ड के सदस्य, महानिदेशक और रेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

स्वच्छता कर्मियों के स्वास्थ्य पर भी दिया ध्यान

स्वच्छता ही सेवा 2026 और विशेष अभियान 6.0 के तहत सफाई मित्रों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। रेल भवन में साफ-सफाई की जिम्मेदारी निभाने वाले कर्मचारियों के साथ हाउसकीपिंग और बागवानी कर्मियों को भी सम्मानित किया गया। भारतीय रेल की सेवा से सेवानिवृत्त हुए 11 कर्मचारियों को भी उनके योगदान के लिए सम्मान दिया गया।

दीपावली पर विद्यार्थियों ने सीखी दीया और पूजा थाली सजाने की कला

आरडीयू में चार दिवसीय कार्यशाला शुरू

नवभारत,जबलपुर। दीपावली की तैयारियों के बीच रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को पारंपरिक हस्तकला और सजावट का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान की ओर से चार दिवसीय दीपावली महोत्सव कार्यशाला एवं प्रदर्शनी शुरू की गई। पहले दिन दीया सजावट, पूजा थाली डेकोरेशन, रंगोली, मेहंदी, वंदनवार और पारंपरिक तोरण बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को नि:शुल्क प्रवेश दिया गया है।

4 और 5 नवंबर को लगेगी हस्तनिर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी

कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि उनके बनाए उत्पादों को प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा, जिससे उन्हें प्रोत्साहन मिल सके। निदेशक प्रो. अलका नायक के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला में प्रशिक्षक रिया ओबेरॉय और मौसमी गौतम ने प्रशिक्षण दिया। विद्यार्थियों द्वारा तैयार वस्तुओं की प्रदर्शनी 4 और 5 नवंबर को पंडित कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में लगाई जाएगी। प्रशिक्षण पूरा करने वालों को प्रमाणपत्र भी दिए जाएंगे।

मसीह समाज ने अपने पूर्वजों को किया याद

नवभारत, जबलपुर। मसीह समाज ने अपने सभी मृत विश्वाशीयों को याद करते हुए बिलहरी कब्रिस्तान पहुँचकर प्राथना की एवं उनकी आत्मा की शान्ति हेतु उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त की। इस कार्यक्रम के पहले पवित्र मिस्सा बलिदान डायसिस के सभी फादर्स के अगुवाई में सम्पन्न हुया। ईसाई धर्म की मान्यता के अनुसार सभी बिशवाशि अपने परिजनों की धार्मिक अनुष्ठानों की शान्ति के लिये प्राथना करते है। बिलहरी कब्रिस्तान में धर्मप्रांत के प्रमुख



बिशप डॉ. वल्लन अरशु ने सभी पुरोहितो के साथ मृत बिश्वाशियो की क़ब्रों को आशीषित किया। साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा की हमें अपने पूर्वजों के बताए हुए मार्ग पर ही चलना चाहिए, साथ एक परिवार के मेल मिलाप के बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। पवित्र मिस्सा बलिदान में विकार जरनल डॉ. फादर डेविस जॉर्ज, सह पल्लीपुरोहित जॉन सुरेंद्र कुंभरे, सेंट आलोसियस कॉलेज डॉ. बेन अंतोन, जॉन वाल्टर उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु जॉन डेविड, रेशलू पीटर, मनोज अन्थोनी, सतीश मनी, जुसिया आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम | भारतीय संस्कृति और समरसता का अद्भुत संगम, राष्ट्र सेविका समिति के 90 वर्ष पूर्ण होने के आयोजन

मां नर्मदा के तट पर 132 सेविकाओं का सामूहिक घोष वादन





नवभारत,जबलपुर। मां नर्मदा के पावन तट पर राष्ट्र सेविका समिति के 90 वर्ष की गौरवशाली यात्रा के उपलक्ष्य में घोष वादन का भव्य एवं भावपूर्ण कार्यक्रम आयोजित हुआ। अखिल भारतीय घोष प्रमुख पंकजा एवं अखिल भारतीय सह घोष प्रमुख प्राची पाटील की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न इस कार्यक्रम में सेविकाओं ने अपनी सामूहिक साधना और स्वर-साधना मां नर्मदा के चरणों में समर्पित की।

कार्यक्रम में 132 सेविकाओं ने एक साथ 10 विभिन्न रचनाओं का वादन किया। शिव वंदना, ओंकार, मीरा रचना सहित भारतीय शास्त्रीय संगीत की रागदारी पर आधारित प्रस्तुतियों में भारतीय संस्कृति की आध्यात्मिक चेतना स्पष्ट झलकी।मां नर्मदा के तट पर हुआ यह घोष वादन उसी साधना का सुंदर प्रतीक बना, जो केवल सुरों का संगम नहीं, बल्कि श्रद्धा, साधना, समरसता और राष्ट्रभावना का अनुपम संगम सिद्ध हुआ।

एक समान शुभ्र वेश में सजी अनुशासित पंक्तियां, घोष वाद्यों की एकलय ध्वनि और कदमों की एकरूपता ने वातावरण को विशेष गरिमा प्रदान की। यह दृश्य वहां उपस्थित पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहा, जो इसे कौतूहल और श्रद्धा के साथ निहारते रहे। इस आयोजन की विशेषता केवल वादन की उत्कृष्टता नहीं, बल्कि उसमें दिखी समरसता और संगठन भावना भी थी। अलग-अलग परिवारों, क्षेत्रों और सामाजिक पृष्ठभूमियों से आई सेविकाएं एक ही ध्येय, एक ही भाव और एक ही लय में बंधकर सामाजिक समरसता और संगठन शक्ति का सजीव उदाहरण बनीं।

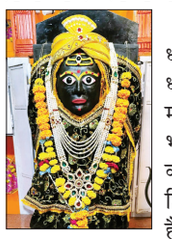
मां नर्मदा की आकृतियां रहीं आकर्षण का केंद्र

वहीं घोष प्रात्यक्षिकों के माध्यम से भारतीय संस्कृति के शुभ एवं मांगलिक चिह्नों की आकर्षक आकृतियां साकार की गईं। विशेष रूप से मां नर्मदा के मातृस्वरूप की आकृति बनाकर अन्य वाद्यों की संगत के साथ मां को प्रदक्षिणा अर्पित की गई। इसमें लय, ताल, अनुशासन और सामूहिक समन्वय का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। राष्ट्र सेविका समिति की 90 वर्षों की यात्रा नारी शक्ति के संगठन, संस्कार, अनुशासन और राष्ट्रसमर्पण की यात्रा रही है।

काल भैरव के जन्मोत्सव पर लगेगा 101 गंज खीर का महाभोग

1 दिसंबर को होगा आयोजन, तैयारियां शुरू

नवभारत, जबलपुर। धर्म, अध्यात्म और सनातन संस्कृति की समृद्ध परंपराओं को आत्मसात करने वाली संस्कारधानी जबलपुर में भगवान काल भैरव का जन्मोत्सव इस वर्ष भी श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ भव्य स्वरूप में मनाया जाएगा। कालभैरव अष्टमी समारोह समिति, गढ़ा बाजार द्वारा 1 दिसंबर को प्राचीन सिद्ध धाम गढ़ा स्थित श्री काल भैरव मंदिर में भव्य एवं दिव्य धार्मिक आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर भगवान काल भैरव का विधि-विधान से रुद्राभिषेक, पूजन-अर्चन एवं महाशृंगार किया जाएगा तथा 101 गंज खीर का भव्य महाभोग समर्पित होगा। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की संभावना है।



सनातन धर्म की धार्मिक मान्यताओं में भगवान श्री काल भैरव का विशिष्ट स्थान है। भगवान भोलेनाथ को काशी का राजा और भगवान काल भैरव को काशी का कोतवाल अर्थात काशी नगरी का संरक्षक माना जाता है। धार्मिक परंपरा के अनुसार काशी विश्वनाथ के दर्शन एवं पूजन के पश्चात भगवान काल भैरव के दर्शन का विशेष महत्व है। मान्यता है कि भगवान काल भैरव के दर्शन के बिना काशी की तीर्थयात्रा एवं आराधना अधूरी मानी जाती है। जो श्रद्धालु किसी कारणवश काशी नहीं पहुंच पाते, उनके लिए संस्कारधानी जबलपुर के गढ़ा क्षेत्र में स्थित प्राचीन सिद्ध धाम श्री काल भैरव मंदिर आस्था एवं श्रद्धा का महत्वपूर्ण केंद्र है।

दो दिवसीय आयोजन का कार्यक्रम

जन्मोत्सव के धार्मिक अनुष्ठानों का शुभारंभ 30 नवंबर सोमवार को अखंड मानस पाठ के साथ होगा। इसके पश्चात 1 दिसंबर, मंगलवार को भगवान श्री काल भैरव जी का विशेष जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस दिन प्रात: भगवान का विधिवत रुद्राभिषेक, पूजन-अर्चन एवं भव्य महाशृंगार किया जाएगा। 101 गंज खीर का महाभोग समर्पित करने के पश्चात श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया जाएगा। महाप्रसाद वितरण का समय दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित किया गया है। वहीं रात्रि 8 बजे भगवान श्री महाकाल भैरव जी की भव्य महाआरती होगी तथा इसके पश्चात महाप्रसाद वितरण किया जाएगा।